टेलीफोन केन्द्र हैं, जो पुराने हो गये हैं और जिनकी मियाद पूरी हो गयी है, जिन्हें इलैक्ट्रोनिक टेलीफोन केन्द्रों में बदला जाना है; और

(च) क्या सरकार ने पुराने टेलीफोन केन्द्रों को बदलने के लिए कोई कदम [illegible] है; यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम): (क) जी, हां।

(ख) 31.12.93 को 6210

(ग) 31.12.93 को 5552

(घ) सरकार की नीति के अनुसार संसाधन उपलब्ध होने पर 31 मार्च, 1995 तक उत्तोत्तर रूप से सभी ग्राम पंचायतों में टेलीफोन सुविधा प्रदान की जानी है।

(ङ) 31.12.1993 को 11

(च) जी हां, सरकार ने 31 मार्च, 1997 तक सभी कार्यकाल समाप्त पुराने इलेक्ट्रो-मेकेनिकल एक्सचेंजों को बदलने की योजना बनाई है।

बिहार में टेलीफोन की प्रतीक्षा सूची

37. श्री ब्रह्मदेव आनन्द पासवानः क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) आज की स्थिति के अनुसार बिहार में टेलीफोन कनेक्शन हेतु लंबित आवेदन पत्रों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार उस राज्य में टेलीफोन कनेक्शन शीघ्र उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाने का विचार रखती है; और

(ग) यदि हां, तो कब तक; और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम): (क) 31.01.1994 की स्थिति के अनुसारः

सामान्य	विशेष	ओवाईटी	कुल
36201	1011	389	37601

(ख) जी, हां।

(ग) आठवीं योजना (1992—97) प्रस्तावों में बिहार में टेलीफोन एक्सचेंज नेटवर्क के विस्तार के लिए ग्रामीण तथा आदिवासी क्षेत्रों में व्यवहार्य रूप से मांग होने पर टेलीफोन कनेक्शन प्रदान करने तथा बड़े टेलीफोन प्रणालियों में नए टेलीफोन कनेक्शनों के लिए प्रतीक्षा सूची को दो वर्षों तक सीमित करने की परिकल्पना की गई है।

चालू वर्ष (1993-94) के दौरान, बिहार में अब तक लगभग 30,000 नए टेलीफोन कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।

महानगरों में टेलीफोन कनेक्शनों की प्रतीक्षा सूची

38. श्री शंकर दयाल सिंहः क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) दिल्ली, कलकत्ता, बम्बई तथा मद्रास में टेलीफोन कनेक्शनों की संख्या अलग-अलग कितनी है;

(ख) उपर्युक्त चारों महानगरों में वर्ष 1993 के अंत तक नये टेलीफोन कनेक्शनों के लिए प्रतीक्षा सूचियों में कुल कितने व्यक्तियों के नाम पंजीकृत हैं; और

(ग) सरकार आवेदकों को यथाशीघ्र टेलीफोन कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम): (क) 31.12.93 को स्थिति के अनुसार दिल्ली, कलकत्ता, बंबई तथा मद्रास में संबंधित टेलीफोन कनेक्शनों की संख्या इस प्रकार हैः

शहर	डी०ई०एल०
दिल्ली	7,19307
कलकत्ता	3,12522
बंबई	9,28371
मद्रास	2,21259

(ख) चार महानगरों में दिसंबर, 1993 के अंत तक नए टेलीफोन कनेक्शनों के लिए प्रतीक्षा कर रहे आवेदकों की कुल संख्या इस प्रकार हैः

दिल्ली	34,3869
कलकत्ता	69181
बंबई	188121
मद्रास	10,3475

(ग) आठवीं पंचवर्षीय योजना (1992—97) के